



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 634]  
No. 634]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 29, 1984/पौष 8, 1906  
NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 29 1984/PAUSA 8, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह स्वतंत्र संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1984

का.आ. 971 (अ)/18क/आई.डी.आर.ए./84 :-  
भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)  
के आदेश सं. का.आ. 218(क)/18क/आई.डी.आर.ए./78  
तारीख 29 मार्च 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात  
उक्त आदेश कहा गया है) कलकत्ता स्थित मैसर्स आलोक  
उद्योग धनस्पति एण्ड प्लाईवुड लिमिटेड नामक औद्योगिक  
उपक्रम का प्रबन्ध तारीख 29 मार्च 1978 से पांच वर्ष  
की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और बैस्ट बंगाल  
फोरेस्ट डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, 6ए, राजा सुबोध  
मलिक स्क्वियर, प्राइवी मंजिल, कलकत्ता-700013 को प्राधिकृत  
नियंत्रक के रूप में नियुक्त किया गया था,

और केन्द्रीय सरकार, ने अपनी यह राय होने पर कि लोकहित  
में यह समीचीन है कि उक्त आदेश पूर्वोक्त पांच वर्ष की  
अवधि की समाप्ति के पश्चात प्रभावी बना रहे 31 दिसम्बर,  
1984 तक को जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और

अवधि के लिए ऐसे बने रहने के लिए निदेश जारी किए  
थे देखिए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक  
विकास विभाग) के आदेश सं. का.आ. 234 (अ)/18क,  
आई.डी.आर.ए./83, तारीख 28 मार्च 1983 में का.आ.  
694 (अ)/18क/आई.डी.आर.ए./83 तारीख 29 दिसम्बर  
1983, का.आ. 948 (3)/18क/आई.डी.आर.ए./83,  
तारीख 31 दिसम्बर 1983, और का.आ. 465(क)/18क/  
आई.डी.आर.ए./84, तारीख 28 जून 1984;

और केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि लोकहित में  
यह समीचीन है कि उक्त आदेश 31 मार्च, 1985 तक की,  
जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए  
प्रभावी बना रहे,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और  
विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा  
18क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 31 मार्च  
1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और  
अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का.सं. 2(25)/74-सी.यू.एस]  
ए.पी. सरवन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

## ORDER

New Delhi, the 29th December, 1984

S.O. 971(E)|18A|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 218(E)|18A|IDRA|78, dated the 29th March, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Alok Udyog Vanaspati and Plywood Limited, located at Calcutta, has been taken over for a period of five years with effect from 29th March, 1978, and the West Bengal Forest Development Corporation Limited, 6A, Raja Subhodh Mallick Square, 7th Floor, Calcutta-700013, was appointed as the authorised controller;

And, whereas, the Central Government, being of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of five years aforesaid, had issued directions for such continuance for a further period

upto and inclusive of the 31st December, 1984. The Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 234(E)|18A|IDRA|83, dated 28th March, 1983, S.O. 694(E)|18A|IDRA|83, dated the 29th September, 1983, S.O. 947(E)|18A|IDRA|83, dated the 31st December, 1983, and S.O. 465(E)|18A|IDRA|84, dated the 28th June, 1984,

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1985.

[File No. 2(25)|74-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.